विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत व्याकरण 29 जून 2020

वर्ग षष्ठ राजेश कुमार पाण्डेय

स्मरणीयम्

4. क्रिया शब्द आख्यात कहलाते हैं।

5. संज्ञा आदि शब्दों या धातुओं से पूर्व जोड़ने वाला शब्द उपसर्ग कहलाते हैं

6. नाम, आख्यात व उपसर्ग विकारी शब्द है क्योंकि इसमें विभक्ति, वचन, लिङग, अथवा पुरुष के अनुसार परिवर्तन होता है।

7. अव्यय आदि शब्द निपात के अन्तर्गत आते हैं। ये अविकार शब्द है। लिङ्ग, विभक्ति, वचन के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता है।

8. सुबन्त व तिडन्त को पद कहा जाता है।

9. क्रिया शब्दों को धातु कहा जाता है; जैसे पठ्, गम्, आदि।

10. विभक्ति युक्तः संज्ञा, सर्वनाम व विशेषण शब्द सुबन्त कहलाते है; जैसे - रामः, कृष्णः आदि।

11 तिङ प्रत्ययं युक्त धातुएँ तिङन्त कहलाती है ।

12धातु व प्रत्यय के अतिरिक्त अर्थयुक्त सभी शब्द प्रतिपादित कहलाते है।

13विशेषण का लिङ्ग तथा वचन हमेशा विशेष्य के समान होता है।

14 किसी भी शब्द के अंत में जो स्वर होता है वह शब्द उसी स्वर के नाम से जाना जाता है जैसे- 'राम अकारांत शब्द है लता आकारा आकारांत शब्द है तथा नदी इकारान्तः शब्द है ।